भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1066

(जिसका उत्तर सोमवार**,** 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक) को दिया जाना है)

सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स के माध्यम से जुटाई गई धनराशि

1066. श्री बी. के. पार्थसारथीः

श्री बस्तीपति नागराजूः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से प्राप्त आय से वित्तपोषित हरित परियोजनाओं का वर्गीकृत वर्ष और राज्यवार विशेषकर आंध्र प्रदेश का ब्यौरा क्या है और उनकी कुल संख्या कितनी है;

(ख) ऐसी हरित परियोजनाओं की वास्तविक और वित्तीय प्रगति का वर्षवार और राज्यवार विशेषकर आंध्र प्रदेश का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स के माध्यम से वित्तपोषित हरित परियोजनाओं की कोई लेखापरीक्षा की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क)और (ख) विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) और (घ) सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स (एसजीआरबी) के माध्यम से वित्तपोषित परियोजनाओं की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा अपनी नियमित लेखापरीक्षा प्रक्रिया के भाग के रूप में की जाती है। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन परियोजनाओं की अब तक कोई लेखापरीक्षा नहीं की गई है।

****

अनुलग्नक

सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से प्राप्त आय से वित्तपोषित हरित परियोजनाओं का विवरण और कुल संख्या, तथा ऐसी परियोजनाओं की वास्तविक और वित्तीय प्रगति (आंध्र प्रदेश सहित वर्ष-वार और राज्य-वार) नीचे दी गई है।

क. परियोजना क्षेत्र: जीवंत प्राकृतिक संसाधनों और भूमि उपयोग का सतत प्रबंधन

राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (कार्यान्वयन मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय)

राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (जीआईएम) राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के तहत बनाए गए आठ मिशनों में से एक है। इसका उद्देश्य चयनित लैंडस्केप में वन्य और गैर-वन्य क्षेत्रों में वृक्षारोपण गतिविधियों को शुरू करके भारत के वन आवरण की रक्षा करना, इसे पुनर्स्थापित करना और इसका संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन से निपटना है। जीआईएम गतिविधियाँ वित्त वर्ष 2015-16 में शुरू की गईं। अब तक, 155130 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण/पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना गतिविधियों के लिए आंध्र प्रदेश सहित सत्रह राज्यों और एक संघ राज्य क्षेत्र को ₹962.87 करोड़ की राशि जारी की गई है।

वित्त वर्ष 2022-23 से वित्तपोषण के लिए ग्रीन इंडिया मिशन को सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड के तहत शामिल किया गया है। चयनित लैंडस्केप में जीआईएम (वनीकरण) गतिविधियों को शुरू करने के लिए राज्यों को ₹350.67 करोड़ की राशि जारी की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 से अब तक जारी की गई राज्य-वार धनराशि और वृक्षारोपण/पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना कार्य का विवरण नीचे दिया गया है:

तालिका 1: **जीआईएम के तहत वर्ष 2022-23 से अब तक जारी निधियों का विवरण**

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	**राज्य**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**	**कुल जारी निधियां**
1	आंध्र प्रदेश				**-**
2	अरुणाचल प्रदेश	21.28			**21.28**
3	छत्तीसगढ		0.09		**0.09**
4	हरियाणा		7.60	30.58	**38.18**
5	हिमाचल प्रदेश				**-**
6	जम्मू एवं कश्मीर	6.49		4.50	**10.99**

7	कर्नाटक	2.93	2.33	4.99	**10.25**
8	केरल				**-**
9	मध्य प्रदेश	17.93	8.62	23.61	**50.16**
10	महाराष्ट्र				**-**
11	मणिपुर	5.45	8.91		**14.36**
12	मिजोरम	36.27	21.13		**57.40**
13	ओडिशा	8.4756	12.59		**21.07**
14	पंजाब	2.7393	5.38		**8.12**
15	सिक्किम	6.57	7.50	12.24	**26.32**
16	उत्तराखंड	28.40	31.94	25.16	**85.50**
17	पश्चिम बंगाल	0.76	0.76		**1.52**
18	उत्तर प्रदेश		5.43		**5.43**
	कुल	**137.29**	**112.28**	**101.09**	**350.67**

तालिका 2: **जीआईएम के तहत वर्ष 2022-23 से अब तक वृक्षारोपण/ पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना का विवरण:**

(हेक्टेयर में)

क्र.सं.	**राज्य**	**2022-23**	**2023-24**	**कुल वृक्षारोपण/पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना**
1	आंध्र प्रदेश			**-**
2	अरुणाचल प्रदेश			**-**
3	छत्तीसगढ			**-**
4	हरियाणा	1,301		**1,301**
5	हिमाचल प्रदेश			**-**
6	जम्मू एवं कश्मीर	115		**115**
7	कर्नाटक	397		**397**
8	केरल			**-**
9	मध्य प्रदेश	7,127		**7,127**
10	महाराष्ट्र			**-**
11	मणिपुर			**-**
12	मिजोरम			**-**
13	ओडिशा			**-**
14	पंजाब	1,575		**1,575**
15	सिक्किम	2,584		**2,584**
16	उत्तराखंड	3,297	2,350	**5,647**

17	पश्चिम बंगाल	1,611		**1,611**
18	उत्तर प्रदेश			**-**
	कुल	**18,007**	**2,350**	**20,357**

ख. स्वच्छ परिवहन

मेट्रो रेल परियोजनाएं (कार्यान्वयन मंत्रालय: आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय)

सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से प्राप्त आय से वित्तपोषित हरित परियोजनाओं का विवरण और कुल संख्या तथा उनकी वास्तविक और वित्तीय प्रगति निम्नलिखित तालिका 3 और तालिका 4 में दर्शाई गई है। आंध्र प्रदेश के लिए कोई मेट्रो परियोजना अनुमोदित नहीं की गई है।

तालिका 3: सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से प्राप्त आय से वित्तपोषित हरित परियोजनाओं का विवरण (₹ करोड़ में))

क्र.सं.	**मेट्रो रेल परियोजना का नाम**	**राज्य**	**एसजीआरबी के तहत वित्त वर्ष 2022-23 में जारी निधि**	**एसजीआरबी के तहत वित्त वर्ष 2023-24 में जारी निधि**	**एसजीआरबी के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित निधि**
1	दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना चरण-IV (3 प्राथमिकता वाले कॉरीडोर)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	1024.81	378.73	150
2	पटना मेट्रो रेल परियोजना	बिहार	347.5	692.5	566.97
3	बैंगलोर मेट्रो रेल परियोजना चरण - 2क और 2ख	कर्नाटक	506.22	842.16	106.67
4	अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना चरण-1 और 2	गुजरात	87	149	63.85
5	सूरत मेट्रो रेल परियोजना	गुजरात	274	324	324
6	भोपाल मेट्रो रेल परियोजना	मध्य प्रदेश	42.78	253	269.08

क्र.सं.	मेट्रो रेल परियोजना का नाम	राज्य	एसजीआरबी के तहत वित्त वर्ष 2022-23 में जारी निधि	एसजीआरबी के तहत वित्त वर्ष 2023-24 में जारी निधि	एसजीआरबी के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित निधि
7	इंदौर मेट्रो रेल परियोजना	मध्य प्रदेश	200	339.61	404.84
8	कानपुर मेट्रो रेल परियोजना	उत्तर प्रदेश	416	362	155
9	आगरा मेट्रो रेल परियोजना	उत्तर प्रदेश	304.25	268	123
10	नागपुर मेट्रो रेल परियोजना चरण-2	महाराष्ट्र			498.20
11	मुंबई मेट्रो रेल परियोजना लाइन-3	महाराष्ट्र			663
12	कोच्चि मेट्रो रेल परियोजना चरण- II	केरल			39.90
	कुल		**3202.56**	**3609**	**3364.51**

तालिका 4: मेट्रो रेल परियोजना की वास्तविक और वित्तीय प्रगति

क्र.सं.	मेट्रो रेल परियोजना का नाम	राज्य	दिनांक 31.12.2024 तक की स्थिति के अनुसार वास्तविक प्रगति*	दिनांक 31.12.2024 तक की स्थिति के अनुसार वित्तीय प्रगति*
1	दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना चरण-IV (3 प्राथमिकता वाले कॉरीडोर)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	58.29%	55.95%
2	पटना मेट्रो रेल परियोजना	बिहार	41.78%	30.22%
3	बैंगलोर मेट्रो रेल परियोजना चरण - 2क और 2ख	कर्नाटक	45.00%	47.90%
4	अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना चरण-1 और 2	गुजरात	99.82%, 78.33%	96.85%, 68.36%
5	सूरत मेट्रो रेल परियोजना	गुजरात	57.20 %	49.10%
6	भोपाल मेट्रो रेल परियोजना	मध्य प्रदेश	36.39 %	38.18 %.
7	इंदौर मेट्रो रेल परियोजना	मध्य प्रदेश	49.13 %	44.95 %.
8	कानपुर मेट्रो रेल परियोजना	उत्तर प्रदेश	69.10%	67.50%
9	आगरा मेट्रो रेल परियोजना	उत्तर प्रदेश	48.00%	47.00%
10	नागपुर मेट्रो रेल परियोजना चरण-2	महाराष्ट्र	14.10%	5.32%
11	मुंबई मेट्रो रेल परियोजना लाइन-3	महाराष्ट्र	94.30%	83.81%
12	कोच्चि मेट्रो रेल परियोजना चरण- II	केरल	5.10%	9.76%

* परियोजना की समग्र प्रगति को दर्शाता है

ग. रेल परियोजनाएं (कार्यान्वयन मंत्रालय: रेल मंत्रालय)

सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से प्राप्त आय से वित्तपोषित परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित तालिका 5 में दर्शाया गया है।

तालिका 5: सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से वित्तपोषित परियोजनाओं का विवरण - रेल मंत्रालय

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना का संक्षिप्त विवरण	राज्य	2022-23		2023-24		2024-25
				संशोधित अनुमान	उपयोग की गई निधि	संशोधित अनुमान	उपयोग की गई निधि	संशोधित अनुमान
1	ऊर्जा दक्ष तीन चरणीय इलेक्ट्रिक इंजनों का निर्माण	डीजल इंजनों को ऊर्जा दक्ष और अधिक शक्तिशाली इलेक्ट्रिक इंजनों से बदलना	अखिल भारतीय	8541	8541	9929	9929	12600
2	दम दम हवाई अड्डा (जय हिंद) -राजेरहाट से होते हुए न्यू गरिया (कवि सुभाष) मेट्रो रेल का निर्माण (32 किलोमीटर)	दमदम हवाई अड्डा - कोलकाता में राजेरहाट से होते हुए न्यू गरिया मेट्रो परियोजना न्यू गरिया (कवि सुभाष) को 32.2 किमी लंबे मार्ग के माध्यम से नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ेगी, जिसमें से 9.79 किमी का मार्ग चालू हो गया है।	पश्चिम बंगाल	904	904	1700	1700	1550
3	माझेरहाट से होते हुए जोका-बिनॉय बादल दिनेश बाग मेट्रो रेल (16.72 किलोमीटर) का	मेट्रो परियोजना में 12 स्टेशन (8 एलिवेटेड और 4 भूमिगत) हैं। परियोजना की कुल लंबाई 13.935	पश्चिम बंगाल	794	794	850	850	850

	निर्माण, जिसमें जोका-डायमंड पार्क (चरण-I) से विस्तार के लिए सामग्री में संशोधन शामिल हैं।	किमी है, जिसमें से 7.75 किमी का मार्ग चालू हो गया है।						
कुल				**10239**	**10239**	**12479**	**12479**	**15000**

घ. नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं (कार्यान्वयन एजेंसियां: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय)

क. पीएम कुसुम:

पीएम कुसुम योजना नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम है। योजना के मुख्य उद्देश्यों में कृषि क्षेत्र का गैर-डीजलीकरण, किसानों को जल और ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करना, किसानों की आय में वृद्धि करना और पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण करना शामिल है। इस योजना के तीन घटक हैं जिनका लक्ष्य कुल रु. 34,422 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता से दिनांक 31.3.2026 तक 34.8 गीगावॉट की सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि प्राप्त करना है। वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2024-25 तक सॉवरेन ग्रीन बांड से अनुदान प्रदान किया गया।

तालिका 6: पीएम कुसुम बजट का उपयोग

(₹ करोड़ में)

वर्ष	**सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से प्रयुक्त बजट (₹ करोड़ में)**
2022-23	801.36
2023-24	1000.58
2024-25 (31.01.2025 तक)	1961.19

पीएम-कुसुम एक मांग आधारित योजना है और कुछ निश्चित लक्ष्य प्राप्त करने पर तथा योजना दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य निधि जारी की जाती है

पीएम कुसुम की राज्य-वार प्रगति इस प्रकार है:

तालिका 7: पीएम कुसुम के तहत प्रगति (31.01.2025 तक की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	राज्य का नाम	घटक-क (मेगावाट)		घटक-ख (संख्या)		घटक-ग (संख्या)				
		स्वीकृत	स्थापित	स्वीकृत	स्थापित	स्वीकृत (आईपीएस)	स्थापित (आईपीएस)	स्वीकृत (एफएलएस)	स्थापित (एफएलएस)	स्थापित (कुल)
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0	0	34	0	436	0	0	0	0
2	आंध्र प्रदेश	0	0	0	0	0	0	100000	0	0
3	अरुणाचल प्रदेश	0	0	700	429	0	0	0	0	0
4	असम	2	0	4000	0	750	0	0	0	0
5	छत्तीसगढ	30	4	10000	0	0	0	0	0	0
6	बिहार	0	0	0	0	0	0	70000	0	0
7	गुजरात	0	0	18212	8762	0	0	725000	78173	78173
8	गोवा	50	0	900	100	0	0	11000	700	700
9	हरियाणा	158	6.65	197655	145261	0	0	12899	0	0
10	हिमाचल प्रदेश	100	25.95	1270	764	0	0	0	0	0
11	जम्मू एवं कश्मीर	0	0	5000	2125	0	0	0	0	0
12	झारखंड	0	0	42985	31305	0	0	0	0	0
13	कर्नाटक	0	0	41360	1846	0	0	766588	2657	2657
14	केरल	0	0	8	8	43800	1249	25387	6275	7524
15	लद्दाख	0	0	1400	0	0	0	0	0	0
16	मध्य प्रदेश	1790	44.63	59400	7325	0	0	445000	7417	7417
17	महाराष्ट्र	260	6	505000	290444	0	0	775000	80965	80965
18	मणिपुर	0	0	1150	78	0	0	0	0	0

क्र.सं.	राज्य का नाम	घटक-क (मेगावाट)		घटक-ख (संख्या)		घटक-ग (संख्या)				
		स्वीकृत	स्थापित	स्वीकृत	स्थापित	स्वीकृत (आईपीएस)	स्थापित (आईपीएस)	स्वीकृत (एफएलएस)	स्थापित (एफएलएस)	स्थापित (कुल)
19	मेघालय	0	0	3035	98	0	0	0	0	0
20	मिजोरम	0	0	1700	40	0	0	0	0	0
21	नागालैंड	0	0	265	65	0	0	0	0	0
22	ओडिशा	40	0	16441	5640	18750	0	10000	0	0
23	पुडुचेरी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
24	पंजाब	0	0	33000	12952	186	0	95000	0	0
25	राजस्थान	6550	329.75	162914	94579	6418	2023	400000	11446	13469
26	तमिलनाडु	14	1	5200	4187	5000	0	6000	0	0
27	तेलंगाना	1000	0	0	0	28000	0	0	0	0
28	त्रिपुरा	5	0	10895	3737	3600	50	0	0	50
29	उत्तर प्रदेश	1	0	110948	58926	12000	2000	94000	0	2000
30	उत्तराखंड	0	0	5685	813	200	0	0	0	0
31	पश्चिम बंगाल	0	0	0	0	700	20	0	0	20
	कुल	**10000**	**417.98**	**1239157**	**669484**	**119840**	**5342**	**3535874**	**187633**	**192975**

आईपीएस- व्यक्तिगत पंप सौरीकरण, एफएलएस- फीडर लेवल सौरीकरण

ख.पवन ऊर्जा परियोजनाएँ:

पवन उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (जीबीआई) योजना के तहत वितरित वर्ष-वार निधियां इस प्रकार है:

तालिका 8: जीबीआई योजना का बजट उपयोग

(₹ करोड़ में)

वर्ष	एसजीआरबी से किया गया बजट उपयोग
2022-23	1266.96
2023-24	916.30

2024-25 (31.01.2025 तक)	800.00

निधियां केंद्रीय एजेंसी, अर्थात आईआरईडीए को संवितरित की जाती है, ताकि इसे निजी डेवलपर्स को आगे वितरित किया जा सके, न कि राज्यों को।

ग. ग्रिड से कनेक्टेड सौर ऊर्जा

ग्रिड से कनेक्टेड सौर ऊर्जा परियोजनाओं के तहत दो योजनाओं -सीपीएसयू योजना चरण II और रूफटॉप सौर कार्यक्रम को वित्त पोषित किया गया है। इन योजनाओं के लिए सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में क्रमशः रु. 1256 करोड़, रु. 4000 करोड़ और रु. 2007 करोड़ का कुल आवंटन किया गया। हालाँकि, मंत्रालय ने सरकार के सामान्य राजस्व से इन आबंटनों से अधिक व्यय किया है।

i. सीपीएसयू योजना चरण II

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार, व्यवहार्यता अंतराल नीधियन (वीजीएफ) से केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) द्वारा ग्रिड कनेक्टेड सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) पावर परियोजनाओं की स्थापना हेतु सीपीएसयू योजना चरण- II (सरकारी निर्माता योजना) लागू कर रही है। इस योजना के तहत सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स से वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 (31.12.2024 तक) में क्रमशः रु. 1.77 करोड़, रु. 1099 करोड़ और रु. 562 करोड़ कुल की धनराशि जारी की गई। धनराशि केंद्रीय नोडल एजेंसी, अर्थात एसईसीआई और आईआरईडीए को वितरित की जाती है, ताकि इसे केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को आगे वितरित किया जा सके, न कि राज्यों को। इस योजना के तहत, दिनांक 31.12.2024 तक, लगभग 1.8 गीगावॉट सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू की जा चुकी हैं।

तालिका 9: राज्य-वार स्थापित क्षमता (मेगावाट में)

राज्य	**स्थापित क्षमता (मेगावाट में)**				
	वित्त वर्ष 2021-22	**वित्त वर्ष 2022-23**	**वित्त वर्ष 2023-24**	**वित्त वर्ष 2024-25 (31.12.2024 तक)**	**कुल**
राजस्थान	200	936	100	132	**1368**

राज्य	स्थापित क्षमता (मेगावाट में)				
	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25 (31.12.2024 तक)	कुल
तमिलनाडु		230	10		**240**
तेलंगाना	90	5	8	13	**116**
दिल्ली	3				**3**
बिहार			5		**5**
गुजरात		66	10		**76**

ii. रूफ टॉफ सोलर कार्यक्रम

तालिका 10: रूफटॉप सोलर कार्यक्रम के तहत कुल व्यय

(₹करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य का नाम	2022-23	2023-24	2024-25
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0.0	0.0	0.0
2	आंध्र प्रदेश	5.6	3	12.5
3	अरुणाचल प्रदेश	0.0	0.0	0.0
4	असम	4.9	2	0.0
5	बिहार	0	9.3	10.6
6	चंडीगढ़	2	3.3	3.8
7	छत्तीसगढ	3.3	1.2	0.0
8	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव	0.0	0.0	0.0
9	गोवा	0.0	0.0	9.7
10	गुजरात	1040.2	639.1	1013.6
11	हरियाणा	14.7	13.5	85
12	हिमाचल प्रदेश	11.7	2.4	1.7
13	जम्मू एवं कश्मीर	1.2	0.0	48.9
14	झारखंड	3	0.0	1

क्र.सं.	राज्य का नाम	2022-23	2023-24	2024-25
15	कर्नाटक	9.9	7.9	31.5
16	केरल	102.5	104.2	221.8
17	लद्दाख	0.0	0.0	0.0
18	लक्षद्वीप	0.0	0.0	0.0
19	मध्य प्रदेश	35	3.8	42
20	महाराष्ट्र	55.7	182	172.4
21	मणिपुर	0.0	0.9	0
22	मेघालय	0.0	0.0	0.0
23	मिजोरम	0.8	0.0	0.0
24	नागालैंड	0.0	0.0	0.0
25	दिल्ली	10.8	4.5	0.7
26	ओडिशा	0.6	2.8	4.9
27	पुदुचेरी	0.0	0.0	0.0
28	पंजाब	45.8	12.2	20.5
29	राजस्थान	96.3	83	63.2
30	सिक्किम	0.0	0.0	0.0
31	तमिलनाडु	20.5	9.6	0.0
32	तेलंगाना	43.9	23.2	17
33	त्रिपुरा	0.0	0.0	0.0
34	उत्तर प्रदेश	2.4	7.2	22.9
35	उत्तराखंड	1.7	0.0	9.7
36	पश्चिम बंगाल	10.2	0.0	0.0
37	राष्ट्रीय पोर्टल सहित एसईसीआई	29.7	435.8	182.3
	उप-योग	**1552.4**	**1550.9**	**1975.7**
	पीएमएसजीएमबीवाई	**0.0**	**0.0**	**4940.85**
	पीएसयू/केंद्र सरकार/एनएफडीसी	**6.2**	**7.7**	**25.4**
	कुल	**1558.6**	**1558.6**	**6941.95**

धनराशि केंद्रीय नोडल एजेंसी, अर्थात एसईसीआई और आईआरईडीए को वितरित की जाती है, ताकि इसे केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को आगे वितरित किया जा सके, न कि राज्यों को।